يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱتَّقُواْ ٱللَّهَ حَقَّ تُقَاتِهِۦ وَلَا تَمُوتُنَّ إِلَّا
وَأَنتُم مُّسۡلِمُونَ ١٠٢ وَٱعۡتَصِمُواْ بِحَبۡلِ ٱللَّهِ جَمِيعٗا وَلَا تَفَرَّقُواْۚ
وَٱذۡكُرُواْ نِعۡمَتَ ٱللَّهِ عَلَيۡكُمۡ إِذۡ كُنتُمۡ أَعۡدَآءٗ فَأَلَّفَ بَيۡنَ
قُلُوبِكُمۡ فَأَصۡبَحۡتُم بِنِعۡمَتِهِۦٓ إِخۡوَٰنٗا وَكُنتُمۡ عَلَىٰ شَفَا حُفۡرَةٖ
مِّنَ ٱلنَّارِ فَأَنقَذَكُم مِّنۡهَاۗ كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمۡ ءَايَٰتِهِۦ
لَعَلَّكُمۡ تَهۡتَدُونَ ١٠٣ وَلۡتَكُن مِّنكُمۡ أُمَّةٞ يَدۡعُونَ إِلَى
ٱلۡخَيۡرِ وَيَأۡمُرُونَ بِٱلۡمَعۡرُوفِ وَيَنۡهَوۡنَ عَنِ ٱلۡمُنكَرِۚ وَأُوْلَٰٓئِكَ
هُمُ ٱلۡمُفۡلِحُونَ ١٠٤ وَلَا تَكُونُواْ كَٱلَّذِينَ تَفَرَّقُواْ وَٱخۡتَلَفُواْ
مِنۢ بَعۡدِ مَا جَآءَهُمُ ٱلۡبَيِّنَٰتُۚ وَأُوْلَٰٓئِكَ لَهُمۡ عَذَابٌ
عَظِيمٞ ١٠٥ يَوۡمَ تَبۡيَضُّ وُجُوهٞ وَتَسۡوَدُّ وُجُوهٞۚ فَأَمَّا ٱلَّذِينَ
ٱسۡوَدَّتۡ وُجُوهُهُمۡ أَكَفَرۡتُم بَعۡدَ إِيمَٰنِكُمۡ فَذُوقُواْ ٱلۡعَذَابَ
بِمَا كُنتُمۡ تَكۡفُرُونَ ١٠٦ وَأَمَّا ٱلَّذِينَ ٱبۡيَضَّتۡ وُجُوهُهُمۡ فَفِي
رَحۡمَةِ ٱللَّهِۖ هُمۡ فِيهَا خَٰلِدُونَ ١٠٧ تِلۡكَ ءَايَٰتُ ٱللَّهِ نَتۡلُوهَا
عَلَيۡكَ بِٱلۡحَقِّۗ وَمَا ٱللَّهُ يُرِيدُ ظُلۡمٗا لِّلۡعَٰلَمِينَ ١٠٨ وَلِلَّهِ مَا فِي
ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِي ٱلۡأَرۡضِۚ وَإِلَى ٱللَّهِ تُرۡجَعُ ٱلۡأُمُورُ ١٠٩

Theme	
Live Islam, die as a Muslim, and be not divided among yourselves. Punishment for those who divide Muslims into	इस्लाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारो, मुसलमान ही की हैसियत से मरो, और आपस में तफ़रक़ा न डालो। मुसलमानों को फ़िरक़ों में तक़सीम

sects.	करने वालों के लिए अज़ाब।
Tarjumani	
O believers! Fear Allah as He should be All feared and die not but as true Muslims. together hold fast to the rope of Allah (Faith of Islam) and be not divided among yourselves. Remember Allah's favors upon you when you were enemies; He united your hearts, so by His favor you became brethren; you were at the brink of the fiery pit and He saved you from it. Thus Allah makes His revelations clear to you, so that you may be rightly guided. Let there arise from among you a band of people who should invite to righteousness, enjoin good and forbid evil; such are the ones, who shall be successful. Be not like those, who became divided into sects and who started to argue against each other after clear revelations had come to them. Those responsible for division and arguments will be sternly punished on the Day when	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, अल्लाह से डरो जैसा कि उससे डरने का हक़ है | तुमको मौत न आए मगर इस हाल में कि तुम मुस्लिम हो | सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मज़बूत पकड़ लो और किसी तफ़रके में न पड़ो | अल्लाह के उस एहसान को याद रखो जो उसने तुमपर किया है | तुम एक-दूसरे के दुश्मन थे, उसने तुम्हारे दिल जोड़ दिए और उसके फज्ल व करम से तुम भाई-भाई बन गए | तुम आग से भरे हुए एक गढ़े के किनारे खड़े थे, अल्लाह ने तुमको उससे बचा लिया | इस तरह अल्लाह अपनी निशानियाँ तुम्हारे सामने रौशन करता है शायद कि इन अलामतों से तुम्हें अपनी फ़लाह का सीधा रास्ता नज़र आ जाए | तुममें कुछ लोग तो ऐसे ज़रूर ही होने चाहियें जो नेकी की तरफ़ बुलाएँ, भलाई का हुक्म दें, और बुराइयों से रोकते रहें | जो लोग यह काम करेंगे वही फ़लाह पाएँगे | कहीं तुम उन लोगों की तरह न हो जाना जो फ़िरकों में बट गए और खुली-खुली वाज़ेह हिदायत पाने के बाद फिर इखतिलाफ में मुब्तला हुए |

some faces will be brightened with joy and others darkened with gloom. To the dark-faced sinner it will be said: "Did you adopt the way of disbelief after embracing the True Faith? Then taste the punishment for having adopted the way of disbelief. As for the bright-faced ones, they will be in Allah's Mercy and abide therein forever. These are the Revelations of Allah, we recite them to you in truth; Allah intends no injustice to the worlds. All that is in the heavens and in the earth belongs to Allah and all matters return to Allah for decision.	जिन्होंने यह रविश इखतियार की वे उस रोज़ सख्त सज़ा पायँगे जबकि कुछ लोग सुर्खरू होंगे और कुछ लोगों का मुहँ काला होगा	जिनका मुहँ काला होगा (उनसे कहा जाएगा कि) नेमते-ईमान पाने के बाद भी तुमने काफिराना रवैया इखतियार किया? अच्छा तो अब इस कुफ़राने-नेमत के सिले में अज़ाब का मज़ा चखो	रहे वे लोग जिनके चेहरे रौशन होंगे तो उनको अल्लाह के दामने-रहमत में जगह मिलेगी और हमेशा वे इसी हालत में रहेंगे	ये अल्लाह के इरशादात हैं जो हम तुम्हें ठीक-ठीक सुना रहे हैं, क्योंकि अल्लाह दुनियावालों पर जुल्म करने का कोई इरादा नहीं रखता	ज़मीन और आसमानों की सारी चीज़ों का मालिक अल्लाह है और सारे मामलात अल्लाह ही के हुज़ूर में पेश होते हैं	
Tafsir	